केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 229 शनिवार 14 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

संदिग्ध हालत में बच्चे की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के दुबौलिया थानाक्षेत्र के रैयल लारा गांव में संदिग्ध परिस्थिति में एक चार माह के बच्चे की मौत का मामला सामने आया है। मृतक के नाना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असल वजह पता चल सकेगी। पूछताछ कर घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा रही है। इसी थानाक्षेत्र के सेमरा मुस्तहकम निवासी राम प्रवेश ने पुलिस को लिखित तहरीर देकर बताया है कि दुबौलिया थानाक्षेत्र के ही रैयल लारा गांव निवासी सूरज से उनकी बेटी गुडिया ने करीब छह माह पूर्व अपनी मर्जी से शादी की थी। दोनों का एक चार माह का बेटा भी है। उनके अनुसार देर रात करीब डेढ़ बजे बच्चे की संदिग्ध हाल में मौत हो गई। उन्हें इसकी जानकारी मिली तो बेटी के ससुराल पहुंचे और घटना की जानकारी पुलिस को दी। उनकी तहरीर पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी है।

अलविदा नमाज में मांगी मुल्क में अमन–चैन की दुआ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रमजान माह के आखिरी जुमे पर जनपद के मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अलविदा की नमाज अदा की। सुबह से ही मस्जिद परिसर में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। बड़ी संख्या में लोग नमाज अदा करने पहुंचे। मस्जिद के अंदर और बाहर नमाजियों की लंबी कतारें देखी गईं।

नमाज से पहले नगर बाजार मस्जिद के इमाम कारी नूर आलम ने लोगों को संबोधित किया और रमजान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रमजान का महीना धैर्य, इबादत और इंसानियत का संदेश देता है। इमाम ने कहा कि इस महीने में अधिक से अधिक नेक काम करने और जरूरतमंदों की मदद करने पर जोर देना चाहिए। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और समाज में प्रेम व सद्भाव बढ़ाने की अपील भी की।

इमाम कारी नूर आलम ने अलविदा जुमे को मुसलमानों के लिए विशेष बताया, क्योंकि यह रमजान का अंतिम जुमा होता है। उन्होंने कहा कि इस दिन अल्लाह की इबादत और दुआ का विशेष महत्व है। इमाम ने नमाजियों को अपने जीवन में सच्चाई, ईमानदारी और नेक रास्ते पर चलने तथा समाज में शांति व सद्भाव का वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया।

नमाज के बाद, सभी नमाजियों ने देश की तरक्की, भाईचारे और अमन–चैन के लिए दुआएं मांगीं। लोगों ने एक–दूसरे को गले मिलकर रमजान की मुबारकबाद दी और आगामी ईद को लेकर खुशी व्यक्त की।

अलविदा नमाज के दौरान, स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने मस्जिदों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। इससे नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। नमाज के बाद, लोग शांतिपूर्वक अपने घरों को लौट गए। रमजान के इस अवसर पर माहौल धार्मिक आस्था और भाईचारे से भरा रहा।

होली मिलन 15 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गायत्री शक्तिपीठ के वरिष्ठ परिव्राजक राम प्रसाद त्रिपाठी ने बताया की होली मिलन समारोह का कार्यक्रम शक्तिपीठ पर 15 मार्च रविवार दिन में 3 बजे से रखा गया है । उन्होंने सभी जनपदवासियो से अनुरोध किया कि होली मिलन समारोह में सपरिवार इष्ट मित्रों सहित पधार कर पर्व को प्रेरणाएं समता और समानता को परस्पर व्यवहार में ग्रहण करे ।

ईरान से युद्ध के बीच क्रैश हुआ अमेरिकी विमान, 4 की मौत

तेल अबीब / तेहरान (आभा)। इराक में अमेरिका का विमान केसी –135 हवा में फ्यूलिंग के दौरान क्रैश हो गया है। इस विमान में सवार 6 क्रू सदस्यों में से 4 की मौत हो गई है। सैंटकाम के मुताबिक इस क्रैश में न तो दुश्मन की गोलीबारी की जानकारी सामने आई है और न ही अमेरिकी पक्ष की तरफ से की गई फायरिंग की।

ईरान पर मिलकर हमला करने वाले अमेरिका और इजरायल को भी युद्ध में भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। इस युद्ध में अभी तक आधिकारिक रूप से अमेरिका के चार विमान गिर चुके हैं और एक महंगा एयर डिफेंस सिस्टम थाड़ का रडार भी नष्ट हो चुका है। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने शुक्रवार को चौथे विमान के गिरने के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ईंधन भरने वाले एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार 6 क्रू सदस्यों में से चार की मौत हो गई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस विमान के गिरने में अभी तक न तो दुश्मन की गोलीबारी और न ही अपने पक्ष की तरफ से की गई फायरिंग ही शामिल थी। सेंटकॉम के मुताबिक इस पर अभी जांच की जा रही है।

सेंटकॉम की तरफ से इस घटना पर ज्यादा जानकारी देते हुए बताया गया कि इस घटना में दो विमान शामिल थे। क्रैश होने वाला विमान (बोइंग केसी–135) ईरान में जारी अभियानों का हिस्सा था। यह एक टैंकर विमान है, जो कि दूसरे जेट्स को हवा में ही फ्यूल उपलब्ध कराता था। घटना के बाद अभी बचाव कार्य जारी है। इस विमान के क्रैश होने के बाद दूसरा विमान सुरक्षित रूप से लैंड कर गया है।

सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो और तस्वीरों में अमेरिका के एक दूसरे ईंधन टैंकर विमान को तेल अवीव एयरपोर्ट पर उतरते हुए देखा गया है। इस जहाज के पिछले हिस्से को नुकसान पहुंचा हुआ दिख रहा है। ऐसे में कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यह दोनों ईंधन वाहक जहाज हवा में ही एक–दूसरे से टकरा गए थे, जिसकी वजह से एक जहाज क्रैश हो गया, जबकि दूसरा जहाज सुरक्षित रूप से लैंड कर पाया। हालांकि, इसकी अभी तक कोई पुष्टि नहीं हुई है। इस युद्ध में आधिकारिक रूप से अमेरिका के चार विमान गिर चुके हैं। केसी–135 के गिरने से पहले अमेरिका के तीन एफ–15 जहाज भी कतरी वायुसेना की गलती की वजह से मार गिराए गए थे।

अमेरिका की वायुसेना के लिए इस विमान की भूमिका बहुत ही खास है। बोइंग का झब–135 स्ट्रैटोटैंकर विमान हवा में उड़ते हुए अन्य लड़ाकू विमानों में ईंधन भरने की क्षमता रखता है। इस विमान में चार टर्बोफैन इंजन लगे होते हैं और यह अपने साथ करीब 146 टन वजन लेकर उड़ान भर सकता है। पिछले 60 सालों से यह लंबी दूरी के अमेरिकी सैन्य अभियानों में बेहद ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

परिषदीय स्कूलों तक पहुंचा घरेलू गैस का संकट

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। युद्ध को लेकर उपजे हालात की आंच अब परिषदीय स्कूल और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की रसोई तक पहुंचने लगी है। एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति व डिमांड के बीच बढ़ रहे फासले के चलते मौजूदा समय में संकट उत्पन्न होने लगा है। कस्तूरबा विद्यालयों की वार्डेन से लेकर परिषदीय स्कूलों के हेडमास्टर तक एलपीजी सिलेंडर का स्टॉक खत्म होने की सूचना विभागीय अधिकारियों को दे रहे हैं। कुछ स्कूलों में तो एलपीजी समाप्त होने पर चूल्हे जलने की नौबात आ गई है तो कई इस कगार पर पहुंच चुके हैं। इन सबके बीच बीएसए अनूप कुमार तिवारी के निर्देश पर जिला समन्वयक अमित सोनी जिला आपूर्ति कार्यालय पहुंचे।

यहां डीएसओ विमल कुमार शुक्ला से मुलाकात कर उन्हें पत्र सौंपकर कस्तूरबा और परिषदीय स्कूलों की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। डीएसओ ने उन्हें निर्बाध आपूर्ति का भरोसा दिलाते हुए कहा कि उपलब्धता व प्राथमिकता के आधार पर एलपीजी की आपूर्ति कराई जा रही है।जिले में संचालित 13 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में कक्षा छह से आठ तक की 1300 छात्राओं के आवासीय शिक्षण की व्यवस्था है। यहां रहने वालीं छात्राओं को नाश्ते से लेकर डिनर व लंच तक की व्यवस्था विभागीय स्तर से कराई जाती है। इन स्कूलों पर शिक्षिकाएं भी रात्रि निवास करती हैं। लिहाजा एलपीजी सिलेंडर की खपत भी यहां अधिक हैं।बनकटी, कुदरहा, सल्टौआ समेत अन्य कस्तूरबा विद्यालयों से एलपीजी स्टॉक समाप्त होने की सूचना बीएसए कार्यालय पहुंच रही है। इसी तरह जनपद में 2071 परिषदीय स्कूल संचालित हो रहे हैं। इनमें डेढ़ लाख से अधिक छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। इन्हें स्कूल में शिक्षण के साथ निरूशुल्क मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराया जाता है, जो कि गैस चूल्हे पर ही पकाया जाता है। लेकिन वर्तमान समय में एलपीजी गैस के संकट को देखते हुए आने वाले दिनों में चूल्हों पर खाना पकाने के लिए लकड़ी का प्रबंध शुरू कर दिया गया है। हालांकि विभागीय पहल पर डीसीओ स्तर से गैस सिलेंडर की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का भरोसा दिया गया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव संसद में पेश

नई दिल्ली (आभा)। विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों में नोटिस जमा कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने की मांग की है। सूत्रों के हवाले से मिली रिपोर्ट के अनुसार, लोकसभा में 130 और राज्यसभा में 63 सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहली बार है कि किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को संसदीय प्रक्रिया के माध्यम से हटाने का अनुरोध किया जा रहा है। सांसदों ने एसआईआर प्रक्रिया के संचालन में गंभीर खामियों का आरोप लगाया, जिससे उनके अनुसार चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता से समझौता हुआ है।

सूत्रों ने कहा, हस्ताक्षरकर्ताओं में 'इंडिया' गठबंधन के सभी घटक दलों के सदस्य शामिल हैं। आम आदमी पार्टी के सदस्यों ने भी हस्ताक्षर किए हैं। आम आदमी पार्टी अब औपचारिक रूप से विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं है, हालांकि उसने इस कदम का समर्थन किया है। सूत्रों ने बताया कि कुछ निर्दलीय सांसदों ने भी नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। नियमों के मुताबिक, लोकसभा में कम से कम 100 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला

नोटिस और राज्यसभा में कम से कम 50 सदस्यों के हस्ताक्षर नोटिस देना होता है।

विपक्षी दलों ने कई मौकों पर सीईसी पर सत्तारूढ़ भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया है। विपक्ष मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद को लेकर पिछले कुछ महीनों से उन पर लगातार निशाना साधता रहा है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर का उद्देश्य भाजपा की मदद करना है। सीईसी को पद से हटाने का नोटिस संसद के किसी भी सदन में दिया जा सकता है और इसे अवश्य ही विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए, जो सदन की कुल सदस्यता का बहुमत और उपस्थित एवं मतदान में हिस्सा लेने वाले सदस्यों का दो–तिहाई बहुमत होना चाहिए।

समाजवादियों ने जयन्ती पर बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शुक्रवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पूर्व राज्यसभा सदस्य बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया को उनकी जयंती पर याद किया गया। सपा जिलाध्यक्ष और सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि हमें बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया के जीवन संघर्ष,उद्देश्यों से प्रेरणा लेकर आगे बढना होगा। उन्होने वंचितों, शोषितों और समाज के कमजोर लोगों को उनका हक दिलाने के लिये विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष किया।

सपा के पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल', राजेन्द्र चौरसिया, लक्षमण चौरसिया, मो. स्वालेह, दयाशंकर मिश्र, आर.डी. निषाद, राजेन्द्र प्रसाद चौधरी आदि ने कहा कि शिवदयाल सिंह चौरसिया ने जीवन भर पिछड़ों दलितों और समाज के कमजोर वर्ग के लोगों की लड़ाई लड़ी। उन्होंने डॉक्टर बीआर आंबेडकर के साथ भी मिलकर काम किया। चौरसिया ने बीएससी के बाद एलएलबी की डिग्री हासिल की उनका

-गरीबों, पिछड़ों के लिये आखिरी सांस तक लड़े बाबू शिवदयाल-महेन्द्रनाथ यादव

शुमार देश के नामवर वकीलों मे होता था। लोक अदालत गठन का श्रेय भी चौरसिया को जाता है। वह प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य भी रहे। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

जयन्ती पर पूर्व राज्यसभा सदस्य बाबू शिवदयाल सिंह चौरसिया के योगदान पर मुख्य रूप से शिवपूजन चौरसिया, जयराम चौरसिया, शोभनाथ चौरसिया, पंकज चौरसिया, नारेन्द्र चौरसिया, चन्द्रभान चौरसिया, राम स्वरूप चौरसिया, राजीव चौरसिया, नागेन्द्र चौरसिया, रामयज्ञ चौरसिया, नन्दलाल चौरसिया, तिलकराज, तिनेश्वर चौरसिया, सूरज चौरसिया, गोविन्द चौरसिया, रामदत्त, श्यामसुन्दर, चौरसिया, घनश्याम चौरसिया, मोनू चौरसिया, राम स्वारथ चौरसिया, राजू चौरसिया, वासुदेव चौरसिया, रामनारायण चौरसिया, हरिनारायण चौरसिया, गुलाब सोनकर, गीता भारती, विजय लक्ष्मी, आर.डी. गोस्वामी, डा. देवेन्द्रनाथ, सावित्री सिंह, राम प्रकाश सुमन, नितराम, मधुबन यादव, हरेश्याम विश्वकर्मा, अजय यादव, राहुल सिंह, सौरभ मिश्रा, प्रशान्त यादव, दिनेश तिवारी, रजनीश यादव, श्याम यादव, निजामुद्दीन, अब्दुल कयूम, उदित पाण्डेय, गौरीशंकर, अंकित यादव के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

राहुल गांधी बोले-मोदी साइकोलजिकली खत्म अमेरिका के आगे नरेंदर ने सरेंडर कर दिया

लखनऊ (आभा) । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को लखनऊ पहुंचे। उन्होंने दलित वोटर्स को रिझाने के लिए जहां डॉक्टर आंबेडकर और कांशीराम की सराहना की, वहीं भारत–अमेरिका डील, पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा पर जमकर निशाना साधा।

राहुल ने कहा, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का नाम एपस्टीन फाइल में है। उनकी बेटी की कंपनी में जॉर्ज सोरोस की फंडिंग है। नरेंद्र मोदी साइकोलॉजिकली खत्म हो गए हैं। नरेंद्र मोदी अब भारत के प्रधानमंत्री नहीं रहे, वे अमेरिका का काम कर रहे हैं। जब मैं यह बात संसद में बोलने जा रहा था तो नरेंद्र मोदी जी भाग कर निकल गए।

नरेंद्र मोदी ने देश की एनर्जी सिक्योरिटी से समझौता कर दिया है। क्योंकि अब अमेरिका तय कर रहा है कि हम तेल कहां से लेंगे? एनर्जी सेक्टर के हालात अभी और खराब होंगे। राहुल ने कहा, कांशीरामजी समाज में बराबरी की बात करते थे। कांग्रेस अपना काम पूरी तरह से नहीं कर सकी। यही कारण है कि कांशीरामजी सफल हुए। अगर कांग्रेस ठीक तरह से काम करती तो कांशीरामजी कभी सफल न होते। अगर जवाहर लाल नेहरू जी जिंदा होते तो कांशीराम जी कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते। लेकिन आज भाजपा ने समाज को 15 और 85 बांट दिया गया है। फायदा सिर्फ 15: वालों को मिल रहा है। 50: को अलग–अलग कर दिया गया।

नरेंद्र मोदी संविधान की विचारधारा नहीं मानतेः संविधान में जितने भी दलित महापुरुष हुए, उनकी आवाज इसमें है। सावरकरजी, नाथूराम गोडसे की आवाज इस संविधान में नहीं है। नरेंद्र मोदीजी कुछ भी कह लें, इस संविधान की विचारधारा को नहीं मानते हैं। कहा कि 9 लाख करोड़ का माल अमेरिका से खरीदेंगे। मैं पूछना चाहता हूं, हमारे बिजनेस क्या करेंगे। कपास, सोया, फल, बादाम, अखरोट अब अमेरिका के किसान यहां बेचेंगे। अमेरिका में बड़े– बड़े खेत हैं। सारा माल उनका आ जाएगा, सब खत्म कर देंगे।

यूपी में कांग्रेस को मर मिटने वाले 100 लोग चाहिए– अब हमारे पास बड़ा मौका है। हिंदुस्तान की राजनीति बदलें। कांग्रेस को सिर्फ यूपी में 100 लोग ऐसे मिल जाएं जो कह दें कि मर जाएंगे, पीछे नहीं हटेंगे। हमारे लक्ष्य को नहीं छोड़ेंगे। काम हो जाएगा हमारा।

कार्यकर्ताओं को नसीहत– राहुल गांधी जिंदाबाद करने से फायदा नहीं है राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नसीहत भी दी। दरअसल, राहुल जब बोलने के लिए उठे तो कार्यकर्ता राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। तब उन्होंने ने कहा, राहुल गांधी जिंदाबाद करने से कोई फायदा नहीं है। इससे कुछ होता नहीं है। होता कैसे है? जो मन बना लेता है कि ये जो हो रहा है, उसे मैं एक्सेप्ट नहीं करने वाला हूं। कांग्रेस ने कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग का प्रस्ताव पास किया है। तय हुआ है कि राहुल गांधी के माध्यम से संसद में यह मांग उठाई जाएगी। यह पहली बार था, जब राहुल गांधी कांशीराम जयंती से 2 दिन पहले कोई बड़ा इवेंट लखनऊ में करने आए थे। कार्यक्रम में करीब 4 हजार लोग शामिल हुए। दलित वोटर्स की सियासत में कांग्रेस का यह बड़ा कदम माना जा रहा है। यूपी में कांग्रेस–सपा का गठबंधन लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का सपा के साथ गठबंधन था, तब यूपी में एनडीए की सीटों की संख्या 36 पर सिमट गई थी। महागठबंधन 43 सीटों पर जीतने में कामयाब रहा।

मण्डलायुक्त तक पहुंचा लेखपाल के मनमानी का मामलाः अवैध निर्माण, कब्जा हटाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती सदर तहसील के ग्राम रामपुर मेडिकल कालेज के पीछे थाना मुण्डेरवा के गाटा सं०–333म/0.0240 भूमि पर तत्कालीन लेखपाल शीला प्रजापति के द्वारा विपक्षी से मिलकर अवैध कब्जा कराकर अवैध निर्माण कराये जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शुक्रवार को विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष महंथ गिरिजेश दास के नेतृत्व में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मण्डलायुक्त को सम्बोधित ज्ञापन उनके प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि लेखपाल के विरूद्ध कार्रवाई और अवैध कब्जे को हटाया जाय।

मण्डलायुक्त को सम्बोधित ज्ञापन में महंथ गिरिजेश दास ने कहा है कि बस्ती सदर तहसील के ग्राम रामपुर, थाना मुण्डेरवा के गाटा सं० 333म पर तत्कालीन लेखपाल शीला प्रजापति की मिली भगत से उक्त कीमती भूमि पर माह जून 2025 में रामपुर निवासी इबरार पुत्र ऐश

मोहम्मद से गाटा सं०–333म पर निजी लाभ हेतु तत्कालीन लेखपाल ने अवैध कब्जा कराकर पक्का निर्माण करा दिया। भ्रमण के दौरान ग्रामीणों व हिन्दू जनता के लोगों द्वारा उन्हें बताया गया कि तत्कालीन लेखपाल के द्वारा अपने हल्का क्षेत्र में अपने कार्यकाल में तमाम लोगों को ग्राम समाज व सरकार की जमीनों पर अवैध कब्जा करा दिया गया है। ग्रामीणों के सूचना व समाचार पत्रों में गाटा सं0–333म के सम्बन्ध में हो रहे अवैध निर्माण के सम्बन्ध में प्रकाशन के बावजूद भी नहीं रोका गया।उन्होने मांग किया है कि प्रकरण जनहित व सरकार हित में है. सरकार की क्षति हो रही है। प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराकर अवैध कब्जे में शामिल तत्कालीन लेखपाल व दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही कराते हुये अवैध कब्जे को हटवाया जाय। ज्ञापन देने के दौरान सौरभ बोस , सुभाष यादव , अजय कन्नौजिया ,हेमंत सिंह के साथ अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

वी.बी–जी राम जी योजना में मनरेगा मेटों ने मुख्यमंत्री, विधायकों को सौंपा 4 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को मनरेगा महिला मेटों ने अधिकारों को लेकर सांसद राम प्रसाद चौधरी, विधायक दूधराम, कविन्द्र चौधरी अतुल के साथ ही जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को सामाजिक कार्यकर्ता रवि प्रकाश के नेतृत्व में 4 सूत्रीय ज्ञापन सौपा। मांग किया कि वी.बी–जी राम जी योजना में मनरेगा मेट को प्रति माह सम्मानजनक वेतन दिया जाय।

ज्ञापन में बी–जी राम जी योजना में मनरेगा मेट को प्रति माह वेतन दिये जाने, प्रदेश के सभी ग्राम पंचायत के सार्वजनिक कार्यों में 365 दिन कार्य सुनिश्चित किये जाने, मनरेगा श्रमिक डिमांड पत्र में मनरेगा मेट हस्ताक्षर अनिवार्य किये जाने और 20 श्रमिको का लगा प्रतिबन्ध हटाये जाने, एक्टिव मनरेगा मेट को मोबाईल, एवं सिम कार्ड

–प्रतिमाह वेतन, 365 दिन काम दिये जाने की मांग

अनलिमिटेड डाटा प्रदान दिये जाने जिससे हाजरी भरने में परेशानिया न हो आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन देने के बाद सामाजिक कार्यकर्ता रवि प्रकाश ने कहा कि वी.बी–जी राम जी योजना में मनरेगा मेट घोर उपेक्षा के शिकार हैं। इन्हें पर्याप्त अवसर और अधिकार दिये जाय। ज्ञापन देने के दौरान सत्यभामा, मीरा देवी, इसरावती, सरोज शर्मा, निर्मला देवी, सुमन, वंदना, गीता वर्मा, रीना वर्मा, रेखा देवी, सत्यवती, निर्मला, रीता देवी आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 14 मार्च 2026 शनिवार

सम्पादकीय

इच्छा मृत्यु की विवशता

किसी भी समाज में यह प्रबल धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की तब तक सेवा की जाए, जब तक उसके प्राण कुदरती तौर पर न निकल जाएं। खासकर भारतीय समाज में इस मुद्दे को लेकर गहरी संवेदनशीलता रही है। कई स्थानों पर तो अपने आत्मीय की मृत्यु के बाद भी उसे वर्षों तक जीवन लौटने की आस में घर पर रखा गया। लेकिन जब कोई अपना प्रिय उस स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौट पाना संभव ही न हो, तो बदलते वक्त के साथ कानून के दायरे में उसकी मुक्ति की भी बात होने लगी है। हाल ही में देश के सुप्रीम कोर्ट का 13 वर्ष से कोमा में रहने वाले एक युवा के लिये निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने का निर्णय, जीवन के अंतिम चरण की देखभाल पर भारत में विकसित होते न्यायशास्त्र में नया मोड़ है। किसी असाध्य स्थिति में कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने वाला यह फैसला, अदालत द्वारा पहले से निर्धारित प्रक्रिया का पहला व्यावहारिक प्रयोग है। निस्संदेह,यह मामला उन रोगियों के परिवारों के सामने उपस्थित पीड़ादायक दुविधा को ही उजागर करता है, जिनके ठीक होने की कोई वास्तविक संभावना नहीं होती। जो महज चिकित्सकीय मदद से ही जीवित रहते हैं। इस मामले में चिकित्सा बोर्डों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य नहीं था। इससे केवल जैविक अस्तित्व को ही लंबा खींच दिया गया। बहरहाल, इस बाबत अदालत की स्वीकृति एक कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा, मृत्यु में भी गरिमा तक विस्तारित होनी चाहिए। निस्संदेह, भारत में इच्छामृत्यु पर कानूनी प्रगति धीमी रही है। इस मामले में पहली बार अरुणा शानबाग मामले में ध्यान दिया गया था। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार के अंतर्गत गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार देने के साथ यह मुद्दा अपने चरम पर पहुंचा।

दरअसल, इच्छामृत्यु से जुड़ी दुविधा, इससे जुड़े सिद्धांतों के क्रियान्वयन की अनिश्चितता को लेकर बनी रही है। जिसके चलते परिवारों व डॉक्टरों को जटिल प्रकिया व कानूनी चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। निस्संदेह, हालिया फैसले से भी न्यायिक दिशा–निर्देशों मात्र पर निर्भर रहने की सीमाएं उजागर हुई हैं। बल्कि यहां तक कि देश की शीर्ष अदालत ने भी निष्क्रिय इच्छामृत्यु, लिविंग विल और जीवन को लेकर अंतिम निर्णय को नियंत्रित करने वाले व्यापक कानून की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। निस्संदेह, ऐसे कानून में नैतिक संवेदनशीलता और प्रक्रियात्मक स्पष्टता के बीच बेहद संतुलन होना चाहिए। यह प्रक्रिया कमजोर रोगियों को दुर्व्यवहार से बचाते हुए, यह भी सुनिश्चित करे कि परिवार और चिकित्सा पेशेवर कानूनी परिणामों के भय के बिना कार्य कर सकें। इस मामले में स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्तता का सम्मान आवश्यक है। अंतत, निष्कर्ष यह भी है कि जब उपचार असंभव हो तो चिकित्सा उपायों से रोगी की पीड़ा को लंबा नहीं खींचा जाना चाहिए। निस्संदेह, शीर्ष अदालत की कारगर सलाह के मद्देनजर देश के नीति–नियंताओं को एक मानवीय कानूनी ढांचा तैयार करने के बारे में गंभीरता से सोचना चहिए। जो टाली न जा सकने वाली विषम स्थिति में व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने व मरने की अनुमति दे सके। निस्संदेह, देश में इस बाबत एक संवेदनशील कानून बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। साथ ही ऐसा कानून बनाते वक्त मानवीय संवेदनशीलता तथा कानूनी सुरक्षा कवच के बीच संतुलन बनाना भी उतना ही जरूरी होगा। वहीं हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा संकीर्ण लक्ष्यों को पूरा करने के लिये किसी व्यक्ति की दबाव में इच्छामृत्यु के लिये परिस्थितियां पैदा न की जा सकें। दुनिया के तमाम विकसित देशों में इस आशंका के चलते ही इच्छामुत्यु को कानूनी रूप देने से परहेज किया गया है। यह जटिल मामला भी है, जिसके निर्धारण के लिये कानूनी स्पष्टता और मामले की गहन निगरानी भी उतनी ही जरूरी है।

कैंसर का बढता खतरा

हाल के वर्षों में भारत में कैंसर का रोग जिस पैमाने पर बढ़ता देखा जा रहा है, उसने समूचे चिकित्सा जगत में चिंता पैदा कर दी है। विडंबना यह है कि चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में तमाम प्रगति के बावजूद देश में कैंसर के मामलों में खासी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। आमतौर पर इसके उपचार पर तो ध्यान केंद्रित किया जाता है, लेकिन बचाव की दिशा में नहीं सोचा जा रहा है। नतीजतन, कैंसर के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है।

पिछले दिनों राज्यसभा में केंद्र सरकार की ओर से प्रस्तुत भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के आंकड़ों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। इसके मुताबिक, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में पिछले पांच वर्षों के दौरान कैंसर के मामलों और इससे होने वाली मौतों में निरंतर वृद्धि हुई है। इस अवधि में इन चारों क्षेत्रों में कुल चार लाख सत्रह हजार से अधिक मरीजों के आने का अनुमान है।

आंकड़ों के हिसाब से चंडीगढ़ में ही प्रतिदिन दो लोगों की मौत हो रही है। बीते पांच वर्षों में करीब दो लाख पैंतीस हजार से अधिक लोगों की मौत से स्थिति की गंभीरता का पता चलता है। गौरतलब है कि हर साल कैंसर के करीब पंद्रह लाख नए मरीज सामने आते हैं। अगले बीस वर्षों में यह संख्या पच्चीस लाख पहुंचने का अंदेशा है। महज दवाओं को सस्ता करने और कैंसर अस्पताल खोल देने भर से यह समस्या दूर नहीं होगी। सच यह है कि मरीजों को इस समय सस्ता और सुलभ उपचार की जरूरत है।

मगर समस्या को जड़ से मिटाने के लिए कैंसर की रोकथाम पर काम करने के साथ नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना होगा। फिलहाल लक्ष्य यह होना चाहिए कि पहले चरण में ही मर्ज की पहचान कर ली जाए और जिन कारणों से मामले बढ़ रहे हैं, उनको जड़ से खत्म किया जाए। पंजाब और हरियाणा सहित सभी राज्यों में कीटनाशकों के बेलगाम इस्तेमाल पर रोक लगाना होगा, क्योंकि कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे इसे भी एक बड़ी वजह माना गया है। औद्योगिक कचरों के सख्ती से निपटान के साथ वायु और भू–जल प्रदूषण पर भी अंकुश लगाने की तत्काल जरूरत है।

युद्ध में सबसे पहले होती है सत्य की मौत

श्याम भाटिया

सदा से युद्धों के दौरान सरकारें नैरेटिव गढ़ती रही हैं। लेकिन जब आधिकारिक संदेश व डिजिटली गढ़ी खबरें एक साथ हों, तो सच और नैरेटिव के बीच रेखा खतरनाक रूप से धुंधली हो जाती है। सोशल मीडिया के दौर में युद्धक्षेत्र के दावे सत्यापन से पूर्व ही दुनिया में फैल जाते हैं। ईरान और इस्राइल के बीच आरंभिक झड़पों के कुछ ही घंटों में, नाटकीय वीडियो ऑनलाइन चलने लगीं, जिनमें दावा किया गया कि लड़ाकू जहाज मार गिराए और शहर मलबे में तब्दील हो गए। जल्द ही कई वीडियो मनगढ़ंत निकले। कुछ क्लिप तो वीडियो गेम्स फुटेज निकलीं। कुछ शायद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनायी लगती हैं– ऐसी सामग्री जिसके पत्रकारों द्वारा सत्यापन से पूर्व ही दुनिया यकीन कर ले।

ऐसे ही एक उदाहरण में, बहुत ज्यादा शेयर किए क्लिप में दावा किया गया कि एक अमेरिकी युद्धपोत ने ईरानी लड़ाकू जहाज मार गिराया है, बाद में शिनाख्त हुई कि यह तो वीडियो गेम 'वॉर थंडर' का फुटेज है। इस वीडियो को ऑनलाइन लाखों व्यूज मिले व 'फैक्ट–चेकर्स द्वारा गेम फुटेज साबित करने के बाद और इसे डिलीट करने से पूर्व ग्रेग एबॉट तक ने शेयर किया। समीक्षकों ने पाया कि फुटेज में दिखे हथियार दूसरे विश्वयुद्ध के वक्त के थे, जिससे यह क्लिप मनगढ़ंत निकली।

एक और मामले में, एक वायरल वीडियो में ईरानी मिसाइल हमलों से तेल अवीव तबाह होता दिखा, बाद में विश्लेषकों ने इसकी शिनाख्त बतौर एआई निर्मित रील की। जब तक इस हेरफेर का खुलासा हुआ, तब तक क्लिप को लाखों लोग देख चुके थे। ऐसी सामग्री सोशल मीडिया पर तेजी से फैलती है। अक्सर असलियत सामने आने से पूर्व ही बहुत ज्यादा लोगों तक पहुंच जाती है।

यह घटनाक्रम वर्तमान दौर की युद्ध कवरेज में एक बड़ी समस्या पेश करता है। युद्ध के मैदान के शुरुआती दावे अक्सर सबसे कम भरोसेमंद होते हैं, तथापि डिजिटल युग में पत्रकारों द्वारा सत्यापित करने से पूर्व ही दुनिया में फैल जाते हैं। लंदन के टॉक रेडियो स्टेशन एलबीसी पर ईरान युद्ध पर चर्चा सुनते हुए, मैंने हाल ही में एक प्रस्तोता को यह अनुमान लगाते सुना कि ईरान के रेवोल्यूशनरी गार्ड्स किसी प्रदर्शनकारी को मारने वाले को पुरस्कृत कर रहे हैं। कोई सबूत नहीं दिया गया, फिर भी यह बात खबर देने के अंदाज में कही गई। एक सदी से भी पूर्व, अमेरिकी सीनेटर हाइरम जॉनसन ने कहा था 'जब युद्ध होता है, तो सबसे पहली मौत सच की होती है'। वैसे ये कहावत पुरानी है, फिर भी मौजूदा संघर्ष संबंधी दावों की बाढ़ बताती है कि यह पूर्ववतघ्ः प्रासंगिक है।

हालांकि, सवाल है कि आज के दौर में अन्य युद्धों की तुलना में ईरान–इस्राइल संघर्ष की खबरें इतनी अलग–अलग सी क्यों हैं। यूक्रेन पर रूसी हमले के दौरान, पश्चिमी टीवी नेटवर्क और अखबारों ने अग्रिम मोर्चे पर पत्रकारों की टीमें तैनात की थीं। कीव, खार्किव और यहां तक युद्ध के मैदान से निरंतर रिपोर्टिंग ने पत्रकारों को सरकार द्वारा किए जा रहे दावों की असलियत परखने का मौका दिया। लेकिन, ईरान से जुड़ा संघर्ष बहुत अलग दिखता है। जहां ईरान में चंद पश्चिमी रिपोर्टर काम कर रहे हैं वहीं इस्राइली सैन्य सेंसरशिप युद्ध–विवरण की रिपोर्टिंग पर अंकुश लगा रही है। नतीजन, मिसाइल हमलों, हताहतों और सैन्य हानि बारे जो जानकारी ज्यादातर फैल रही है, वह रिपोर्टरों से नहीं, बल्कि सरकारों, सेना प्रवक्ताओं और सोशल–मीडिया पोस्टों के जरिए आती है।

मध्य–पूर्व में भी, अल जजीरा जैसे क्षेत्रीय चौनल कई पश्चिमी समकक्षों के मुकाबले अब ज्यादा टिकाऊ कवरेज कर रहे हैं, विदेशी मीडिया के लोकल ब्यूरो पिछले दो दशकों में इस पूरे इलाके में लगातार सिकुड़े। नतीजन, यह ऐसा युद्ध है जिस पर चर्चा तो खूब हो रही, लेकिन हैरानी है कि खबरें देने वाली स्वतंत्र पत्रकारिता बहुत कम है। मिसाइल हमलों और हवाई हमले की चेतावनियों की रिपोर्टिंग पर गौर करें। ईरान–इस्राइल के बीच हालिया हमलों के दौरान, ऐसी खबरें चलीं जिनमें बताया गया कि यरुशलम में हवाई हमला चेतावनी सायरन बार–बार बज रहे हैं। अगर यह सच है, तो यह इस्राइल की हवाई–रक्षा प्रणाली में मिसाइलों की होती निरंतर घुसपैठ और शहर में बमबारी का स्तर दिखाता है, जो पहले शायद ही कभी देखा गया। फिर भी, वहां मौजूद रिपोर्टरों से लगातार सत्यापन मुश्किल बन गया है। मध्य इस्राइल में कुछ मिसाइल चेतावनियों की खबरें हैं। लेकिन यरुशलम में बार–बार अलर्ट सायरन बजने की खबर इलाके में मौजूद रिपोर्टरों से बहुत कम आई।

हताहतों के आंकड़े भी ऐसी ही समस्या दिखाते हैं। ईरानी अधिकारियों ने बताया कि इस्राइली हमलों में आम लोगों को भारी नुकसान हुआ। वहीं इस्राइली अधिकारी वरिष्ठ ईरानी कमांडरों के मारे जाने और मिलिट्री ठिकानों को नुकसान पर जोर देते हैं। हालांकि, स्वतंत्र सत्यापन बहुत कम है। ईरान ने युद्ध दौरान समय–समय पर इंटरनेट पर रोक लगाई, जबकि इस्राइली सरकार ने कुछ ऑपरेशंस के ब्यौरे पर सैन्य सेंसरशिप रखी। नतीजन, सुर्खियों में संख्या का स्रोत युद्धरत सरकारों का आंकड़ा ही है।

इतिहास सावधानी बरतने की सलाह देता है। 2003 के इराक युद्ध से पहले, पश्चिमी सरकारों ने कहा था कि सद्दाम हुसैन के पास तबाही मचाने वाले हथियारों के जखीरे हैं। दावा वैश्विक मीडिया में दोहराया गया और इसने मध्य–पूर्व से इतर, भारत जैसे देशों में भी राजनयिक विमर्श को आकार दिया था। हमले के बाद, कथित जखीरे कहीं दिखाई नहीं दिए। इससे भी पहले, 1991 के खाड़ी युद्ध के दौरान, टेलीविजन दर्शकों को 'स्मार्ट बमों' द्वारा इराकी निशानों पर एकदम सटीक प्रहार करती नाटकीय फुटेज दिखाई गई थीं। बाद के विश्लेषणों ने दर्शाया कि इस्तेमाल हथियारों में बहुत कम संख्या प्रिसिजन–गाइडेड अस्त्रों की थी। यह नमूना जाना–पहचाना हैरू युद्ध में शुरुआती दावे सबसे कम भरोसेमंद होते हैं, और डिजिटल युग में गलत सूचना कहीं ज्यादा तेजी से फैल रही है।

सरकारें अपने नैरेटिव गढ़ती हैं। ईरानी सरकारी मीडिया मजबूती व सैन्य कामयाबी पर जोर देता है। वहीं, इस्राइली अधिकारी अपने प्रहारों की सटीकता व असर रेखांकित करते हैं। पश्चिमी नेता हमले निर्णायक बताते हैं, भले ही दीर्घकालीन रणनीतिक परिणाम पक्के न हों। ब्रिटिश प्रधानमंत्री, कीर स्टॉर्मर कुछ सैन्य कार्रवाइयों को 'रक्षात्मक प्रहार' बताते हैं। यह विरोधाभास है, जो ताकत के इस्तेमाल को जायज ठहराता है। इनमें से कोई भी बात बीते वक्त के पत्रकार दिवंगत फिलिप नाइटली को हैरान न करती, जिनकी किताब 'द फर्स्ट कैजुअल्टी' में युद्ध–पत्रकारिता में प्रोपगंडे के लंबे इतिहास की पड़ताल की गई। नाइटली ने कहा कि सरकारें युद्ध के समय हमेशा सूचना प्रबंधन करने की कोशिशें करती हैंरू 'मिथ्या–प्रचार के अध्ययन बताते हैं कि यह कितना ताकतवर हथियार है३विचार को नियंत्रण करना जरूरी है'।

समय के साथ वह व्यवस्था कमजोर पड़ गयी जो कभी आधिकारिक प्रोपगंडा को चुनौती देती था। बीसवीं सदी के ज्यादातर वक्त बड़े अखबारों ने मध्य–पूर्व में विदेशी रिपोर्टरों का नेटवर्क कायम कर रखा था। ये रिपोर्टर घूमते थे, गवाहों का इंटरव्यू लेते थे और एक–दूसरे के दावों की तुलना करते थे। वे जमीनी जानकारी के बूते आधिकारिक बयानों को चुनौती देने की स्थिति में थे। आज उनमें से कई ब्यूरो गायब हो चुके। कवरेज ज्यादातर स्टूडियो वार्ता, सोशल–मीडिया फीड और आधिकारिक प्रेस व्यक्तव्यों से आती है, न कि सीधी रिपोर्टिंग से। परिणाम उल्टा है। पहले कभी किसी युद्ध संबंधी आज जितनी जानकारी वास्तविक समय में नहीं मिलती थी। तथापि यह जानना शायद ही कभी इतना मुश्किल रहा कि असल में क्या हो रहा है।

भारत के लिए, ऐसे झगड़ों को स्पष्ट समझने में बहुत कुछ दांव पर लगा है। भारत की नीति लंबे समय से पश्चिम एशिया में रणनीतिक स्वायत्तता की है, और ईरान, इस्राइल और अरब खाड़ी मुल्कों ये व्यावहारिक संबंध हैं। जब किसी युद्ध के बारे में जानकारी प्रोपगंडा, अनुमान और डिजिटली गढ़ी सामग्री से ढक जाए, तो पत्रकारों व नीति निर्माताओं के लिए भी घटनाओं का सही आकलन कठिन हो जाता है। जब अटकलें, डिजिटली गढ़ी बातें और आधिकारिक संदेश एक साथ आ जाएं, तो सच और नैरेटिव के बीच रेखा खतरनाक रूप से धुंधली पड़ जाती है। जॉनसन की चेतावनी सदीभर गूंजने के बाद, आज भी प्रासंगिक है। जब युद्ध शुरू होता है, तो असल में सबसे पहली मौत सत्य की होती है। लेखक पूर्व विदेश सचिव हैं।

फूहड़ कंटेंट, सोशल मीडिया और संस्कृति

–डॉ. प्रियंका सौरभ–

डिजिटल युग ने हमारे समाज की संरचना, सोच और अभिव्यक्ति के तरीकों को गहराई से बदल दिया है। आज मोबाइल फोन और इंटरनेट के माध्यम से कोई भी व्यक्ति कुछ ही सेकंड में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया हैकृजहां पहले मनोरंजन और प्रसिद्धि के अवसर सीमित लोगों तक होते थे, वहीं अब हर व्यक्ति के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच है। लेकिन इस नए अवसर के साथ कई नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। इन चुनौतियों में सबसे बड़ी बहस उस कंटेंट को लेकर है जिसे समाज का एक वर्ग "फूहड़" या "अशोभनीय" मानता है। पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो तेजी से वायरल होते देखे गए हैं जिनमें डांस, अभिनय या मनोरंजन के नाम पर ऐसे हाव–भाव और प्रस्तुति दिखाई जाती है जिन्हें कई लोग सांस्कृतिक मूल्यों के विरुद्ध मानते हैं। इन वीडियो को लाखों व्यूज, लाइक्स और शेयर मिलते हैं, जिससे वे और अधिक लोगों तक पहुंचते हैं। लोकप्रियता की इस दौड़ में कई बार कंटेंट की गुणवत्ता और सामाजिक जिम्मेदारी पीछे छूट जाती है।

समाज के एक बड़े वर्ग का मानना है कि इस प्रकार के कंटेंट का प्रभाव विशेष रूप से युवाओं और किशोरों पर पड़ता है। जब वे देखते हैं कि कुछ लोग केवल कुछ सेकंड के वीडियो बनाकर अत्यधिक प्रसिद्धि और आर्थिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं, तो उनके मन में भी वैसा ही करने की इच्छा पैदा हो सकती है। कई बार यह प्रेरणा रचनात्मक दिशा में जाती हैकृजैसे संगीत, कला, नृत्य या शिक्षा से जुड़े कंटेंट बनाना। लेकिन कई मामलों में यह प्रेरणा केवल वायरल होने की दौड़ में बदल जाती है, जहां ध्यान आकर्षित करने के लिए किसी भी प्रकार का तरीका अपनाया जाता है।

यह भी देखा गया है कि सोशल मीडिया पर ट्रेंड और एल्गोरिद्म का बहुत बड़ा प्रभाव होता है। जो कंटेंट अधिक देखा और साझा किया जाता है, वही तेजी से फैलता है। ऐसे में यदि दर्शक बार–बार उसी प्रकार के वीडियो देखते हैं जिन्हें वे स्वयं "फूहड़" कहते हैं, तो अनजाने में वे उसी प्रवृत्ति को बढ़ावा भी दे रहे होते हैं। इसलिए केवल कंटेंट बनाने वालों को दोष देना इस समस्या का पूरा समाधान नहीं है। दर्शक भी इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

दूसरी ओर, यह तर्क भी सामने आता है कि कला और मनोरंजन की अपनी स्वतंत्रता होती है। नृत्य, अभिनय और अभिव्यक्ति के कई रूप होते हैं, और हर व्यक्ति उन्हें अलग–अलग तरीके से देखता है। जो एक व्यक्ति को अनुचित लगता है, वही दूसरे के लिए केवल मनोरंजन या कला का एक रूप हो सकता है। इसी कारण इस विषय पर समाज में तीखी बहस देखने को मिलती है। कुछ लोग इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हैं, जबकि अन्य इसे सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों के क्षरण के रूप में देखते हैं। यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता हैकृ क्या किसी भी प्रकार की लोकप्रियता को सफलता का मानक माना जाना चाहिए? सोशल मीडिया ने प्रसिद्धि प्राप्त करने की प्रक्रिया को बहुत तेज कर दिया है। पहले किसी कलाकार को पहचान पाने में वर्षों लग जाते थेय आज एक वायरल वीडियो किसी को रातों–रात स्टार बना सकता है। लेकिन यह त्वरित प्रसिद्धि कई बार स्थायी नहीं होती और इसके सामाजिक प्रभाव भी जटिल हो सकते हैं।

कई युवा इस भ्रम में पड़ सकते हैं कि केवल विवादास्पद या ध्यान आकर्षित करने वाला कंटेंट ही सफलता का रास्ता है। परिणामस्वरूप वे अपनी प्रतिभा को विकसित करने की बजाय तात्कालिक लोकप्रियता के पीछे भागने लगते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल व्यक्तिगत विकास को प्रभावित करती है, बल्कि समाज में मनोरंजन की गुणवत्ता पर भी असर डालती है। संस्कृति की बात करें तो यह किसी एक व्यक्ति या एक पीढ़ी की देन नहीं होती। संस्कृति सदियों के अनुभव, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से बनती है। इसमें परिवर्तन भी होता रहता हैकृ क्योंकि हर युग अपने साथ नए विचार और नए रूप लेकर आता है। लेकिन परिवर्तन और अतिरेक के बीच संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। जब मनोरंजन का उद्देश्य केवल सनसनी या ध्यान आकर्षित करना बन जाए, तो समाज में यह चिंता स्वाभाविक है कि कहीं हम अपने मूल्यों से दूर तो नहीं जा रहे।

धूम्रपान मुक्त पीढ़ी ही स्वस्थ भविष्य की बुनियाद

–योगेश कुमार गोयल–

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई–सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरुआत कर सकते हैं और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरुआत एक धूम्रपान–मुक्त दिन से होती है।' इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई–सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रतिबंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है, जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट, लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है।

धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे–धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है।

डंपर ने एसयूवी को मारी टक्कर, एक की मौत और चार लोग घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। शुक्रवार को एक सड़क हादसे में कार सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना गुलरा फटवा के पास तब हुई जब एक तेज रफ्तार डंपर ने कार को टक्कर मार दी।

मृतक की पहचान सिद्धार्थनगर जनपद के इटवा बाजार निवासी 32 वर्षीय संतोष कुमार सोनी के रूप में हुई है। संतोष तीन दिन पहले सिरसिया बाजार में अपनी बुआ के लड़के की शादी में शामिल होने श्रावस्ती आए थे। शुक्रवार को बुआ के घर बहुभोज कार्यक्रम था।

इसी दौरान संतोष अपने रिश्तेदारों के साथ बुआ के पड़ोसी की कार से भिनगा सब्जी लेने जा रहे थे। सिरसिया–भिनगा मार्ग पर एक तेज रफ्तार डंपर ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का एक तरफ का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे में संतोष कुमार सोनी की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार चालक समेत चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस आरोपी चालक की तलाश कर रही।

घायल होने वालों में सूर्यभान सोनी, ओजेश, अतुल सोनी और मनीष कुमार सोनी शामिल हैं। जिस कार में वे सवार थे, वह मृतक की बुआ के पड़ोस की थी और दो महीने पहले ही खरीदी गई थी।

संतोष कुमार सोनी अपने चार भाइयों में सबसे बड़े थे। वह प्रयागराज में अपनी पत्नी और एक भाई के साथ भेलपूरी की दुकान चलाते थे। संतोष की शादी करीब तीन साल पहले हुई थी और उनकी कोई संतान नहीं थी। बताया जा रहा कि संतोष प्रयागराज से अभी 8 मार्च को घर आया था। संतोष के पिता राम किशोर भी दुकान लगाते हैं। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और सिद्धार्थनगर से परिजन श्रावस्ती पहुंच गए। राम किशोर ने बताया कि उन्होंने संतोष को शादी में जाने से मना किया था।

आईजी–एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

संवाददाता–गोंडा। जिले में यूपी पुलिस एसआई भर्ती परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं 14 मार्च से शुरू हो रही है। यह परीक्षा जिले के 14 केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। पहले दिन, यानी 14 मार्च को, दोनों पालियों में कुल 9600 परीक्षार्थी कड़ी सुरक्षा के बीच परीक्षा देंगे। देवीपाटन रेंज के आईजी अमित पाठक और गोंडा के पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा की तैयारियों का जायजा लिया और सीसीटीवी कैमरे, वॉयस रिकॉर्डर तथा परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की जांच की है। दोनों अधिकारियों ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में बैठने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। आईजी पाठक और एसपी जायसवाल ने सख्त निर्देश दिए कि प्रत्येक परीक्षार्थी की एचएचएमडी (हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर) के माध्यम से सघन जांच की जाएगी। परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले तीन स्तरीय चेकिंग अनिवार्य होगी। किसी भी परीक्षार्थी को इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या अन्य प्रतिबंधित सामग्री ले जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा की पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। 14 और 15 मार्च को आयोजित होने वाली इन चार पालियों की परीक्षा में कुल 19200 परीक्षार्थी शामिल होंगे। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। सभी 14 परीक्षा केंद्रों पर सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी विशेष निर्देश दिए गए हैं, ताकि परीक्षार्थियों को कोई दिक्कत न हो और परीक्षा सकुशल संपन्न हो। यातायात पुलिस कर्मियों को परीक्षा केदो के आसपास तैनात रहने के निर्देश दिए गए हैं ताकि जाम की स्थिति ना उत्पन्न होने पाए।

टीईटी अनिवार्यता पर शिक्षकों का कड़ा विरोध

संवाददाता–महराजगंज। अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ की बैठक शुक्रवार दोपहर को उनके कार्यालय में संपन्न हुई। इस बैठक में शिक्षकों ने टीईटी अनिवार्यता के निर्णय का कड़ा विरोध किया। बैठक की अध्यक्षता जूनियर शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय मणि त्रिपाठी और अटेवा के प्रांतीय संगठन मंत्री राजेश जायसवाल ने संयुक्त रूप से की। इसका संचालन अटेवा के जिलाध्यक्ष टी.पी. सिंह ने किया। बैठक में विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया और शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष का संकल्प दोहराया। इनमें जूनियर शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अजय कुमार पाण्डेय, महामंत्री विनय पाठक, माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के जिलाध्यक्ष डॉ. नवीन श्रीवास्तव, महामंत्री चंदन कुमार, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष उपेंद्र कुमार पटेल, महामंत्री अजित सिंह, बेसिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष श्रवण चौरसिया, महामंत्री गोपाल, अटेवा के जिला उपाध्यक्ष शिवप्रताप सिंह और कोषाध्यक्ष राघवेंद्र गुप्त शामिल थे। बैठक में सर्वसम्मति से अजय कुमार पाण्डेय को जिला संयोजक नियुक्त किया गया। टी.पी. सिंह, उपेंद्र कुमार पटेल, डॉ. नवीन श्रीवास्तव और श्रवण चौरसिया को जिला सह–संयोजक बनाया गया। टीईटी अनिवार्यता के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा भी इस बैठक में घोषित की गई। इस बैठक में रोशन गुप्ता, राजेश कुमार मिश्र, विनोद कुमार, अनुराग पटेल, आशुतोष पटेल, शिव चौधरी, अरुणेंद्र पटेल और बृजेश कुमार सहित कई अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

अलविदा जुमा पर मस्जिदों–ईदगाहों में उमड़ी भीड़ः अमन–चैन और खुशहाली की मांगी दुआ

संवाददाता–श्रावस्ती। जनपद के सिरसिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सिटकहवा के बन्ठिहवा गांव में अलविदा जुमे की नमाज अकीदत के साथ अदा की गई। रमजानुल मुबारक के आखिरी जुमे की नमाज के लिए गांव की रजा नूरी मस्जिद और अजीजी मस्जिद में बड़ी संख्या में नमाजी उमड़े। इस दौरान मुल्क में अमन–चौन, भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआएं मांगी गईं। अलविदा जुमे के अवसर पर सुबह से ही मस्जिदों में नमाजियों की आवाजाही शुरू हो गई थी। लोग साफ–सुथरे कपड़े पहनकर इबादत के लिए मस्जिदों की ओर पहुंचे। नमाज का वक्त करीब आने के साथ मस्जिदों में भीड़ बढ़ती गई और अंदर–बाहर नमाजियों की लंबी कतारें लग गईं। पूरे इलाके में धार्मिक माहौल देखने को मिला।

नमाज से पहले मस्जिद के इमामों और उलमा–ए–किराम ने रमजान महीने की अहमियत, रोजे की फजीलत और इस पाक महीने की बरकतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रमजान का महीना सब्र, इबादत और जरूरतमंदों की मदद का संदेश देता है। अलविदा जुमा इस मुबारक महीने का आखिरी जुमा होने के कारण इसकी इबादत का विशेष महत्व है। इसके बाद नमाजियों ने पूरी अकीदत के साथ जुमे की नमाज अदा की। इस दौरान अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगी गई। साथ ही देश और प्रदेश में अमन, तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए भी दुआएं की गईं। नमाज के बाद लोगों ने एक–दूसरे से गले मिलकर अलविदा जुमा की मुबारकबाद दी। सिरसिया क्षेत्र की कई प्रमुख मस्जिदों और ईदगाहों में भी नमाज अदा करने के लिए दूर–दराज से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। नमाज के बाद अकीदतमंदों ने एक–दूसरे को अलविदा जुमा की मुबारकबाद दी और रमजान की बरकतों के लिए अल्लाह का शुक्र अदा किया। इस मौके पर पूरे क्षेत्र में धार्मिक सौहार्द और भाईचारे का माहौल स्पष्ट रूप से देखा गया।

चिकित्सा शिविर में 65 बुजुर्गों का नेत्र परीक्षाण हुआ

संवाददाता–श्रावस्ती,। चिकित्सा शिविर का आयोजन कर 65 बुजुर्गों के नेत्र की निशुल्क जांच की गई। साथ ही उन्हें जरूरत अनुसार दवाएं बांटी गई। इस दौरान मोतियाबिन्द के मरीजों को चिन्हित किया गया जिनका आपरेशन कराया जाएगा। भारत सरकार की ओर से संचालित अटल वयो अभ्युदय योजना के तहत शुक्रवार को सिरसिया विकास क्षेत्र के कटकुइयां कला गांव में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 65 बुजुर्गों के नेत्र की जांच की गई साथ ही उनमें से मोतियाबिन्द के मरीजों को चिन्हित किया गया। वहीं नेत्र परीक्षण के बाद दवाएं भी दी गई। जिला समाज कल्याण अधिकारी डा अमरनाथ यति ने बताया कि अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत आयोजित हो रहे नेत्र परीक्षण व उपचार शिविर में बुजुर्गों के नेत्र का निरूशुल्क परीक्षण व उपचार किया जा जा रहा है।

जिन बुजुर्गों के आंखों में मोतियाबिंद विकसित हुआ है उन्हे चिन्हित कर उनका निरूशुल्क आपरेशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 14 मार्च को हरिहरपुर रानी पंचायत भवन, 15 मार्च को जमुनहा के शिकारी चौड़ा पंचायत भवन, 16 मार्च को गिलौला के दूबकला पंचायत भवन व 17 मार्च को सिरसिया के लक्ष्मनपुर स्थित पंचायत भवन में शिविर का आयोजन किया जाएगा।जमुनहा तहसील के ग्राम पंचायत लाल बोझा दरवेश गांव निवासी रीता गौतम पत्नी महेश ने उपजिलाधिकारी जमुनहा को प्रार्थना पत्र दिया है। जिसमें आरोप लगाया है कि प्रधान की ओर से रंजिश को लेकर लेखपाल व एसएसबी टीम की मदद से उसका घर गिरवा दिया गया है। आरोप है कि उसके ससुर सागर पुत्र ननकु के नाम से वर्ष 1975 में आवासीय पट्टा दिया गया था। जिसमें पीड़िता व उसके जेठ का मकान एक ही गाटा संख्या में बना हुआ है। जेठ जगराम 2008 में मिले इंदिरा आवास बनाकर रह रहा है। पीड़िता ने बताया 20 वर्षों से मकान बना था। ग्राम प्रधान ने चुनाव रंजिश के चलते गुरुवार को लेखपाल, कानूनगो व एसएसबी के साथ पहुंचकर घर गिरवा दिया है। घर के सात लोग बिना छत के हो गए हैं।

गैस किल्लत पर सपा का फूटा गुस्सा, सिलेंडर लेकर कलक्ट्रेट तक प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। जिले में रसोई गैस व व्यवसायिक गैस की बढ़ती किल्लत व कालाबाजारी के विरोध में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय से कलक्ट्रेट तक गैस सिलेंडर लेकर जुलूस निकाला और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद में राष्ट्रपति को संबोधित पांच सूत्रीय मांग पत्र प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव ने आरोप लगाया कि जिले में गैस आपूर्ति की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। रसोई गैस व व्यवसायिक गैस उपभोक्ताओं को समय से सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, जिससे हजारों घरों के चूल्हे ठंडे पड़ने की नौबत आ गई है।

वहीं गैस के अभाव में कई दुकानों, ढाबों व होटलों का संचालन भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा गैस की कमी नहीं होने का दावा किया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। उपभोक्ताओं को समय पर गैस नहीं मिल रही है और कई जगहों पर कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं।समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मांग की कि जिले में गैस आपूर्ति तत्काल सुचारू की जाए, कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, जिला स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए तथा बुकिंग के बाद उपभोक्ताओं को समय से गैस उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही गैस एजेंसियों की मनमानी पर रोक लगाने की भी मांग की गई। सपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही गैस आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो पार्टी जनहित में आंदोलन को और तेज करने के लिए बाध्य होगी। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष राजेश यादव, जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव उर्फ लाला यादव, बिद्रेश कनौजिया, विजय यादव, श्रवण पटेल, सुमन ओझा ,भाई रामलाल यादव, लल्ला गुप्ता, सतीश यादव, प्रदीप कृष्ण त्रिपाठी, नौशाद आलम, अर्जुन यादव, शत्रुघ्न कन्नौजियाने, ओम प्रकाश यादव, समसूल हुदा खान, गुड्डू यादव, पूर्व विधायक श्रीपाद आजाद, मक्खू प्रसाद, अमरनाथ यादव सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला की मौत के बाद स्वजनों ने किया हंगामा, एक घंटे ठप रहीं ओपीडी और इमरजेंसी सर्विस, आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता–गोण्डा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटरा बाजार में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। स्वजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। चिकित्सक के साथ मारपीट किए जाने का दावा किया जा रहा है। अभद्रता व मारपीट के बाद चिकित्सकों ने ओपीडी व आपातकालीन सेवाएं ठप कर दी। करीब एक घंटे तक मरीजों को मुश्किल झेलनी पड़ी। एसीएमओ आदित्य वर्मा ने घटना की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि घटना की समीक्षा कर रहे हैं। आरोपित पर कार्रवाई होनी चाहिए।

बनगांव के कटहवा निवासी महफूज ने बताया कि चौपुरवा की रहने वाली उनकी नानी नईका की शुक्रवार की सुबह तबीयत बिगड़ गई। उनकी मां हसीना आशा कार्यकर्ता हैं जो अपनी मां व उनकी नानी को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गई। आरोप लगाया कि डा. अरुण सिंह ने उपचार किए जाने में हीलाहवाली की जिससे उनके नानी की मौत हो गई।

विरोध करने पर मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी गई। डा. अरुण सिंह ने बताया कि बनगांव कटहवा गांव की आशा चौपुरवा गांव की निवासी रोगी नईका को लेकर उपचार कराने आई थी। रोगी टीबी व सांस की गंभीर बीमारी से पीड़ित थी। उसका उच्च रक्तचाप 185 से अधिक था। मरीज को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया। इसी बीच चरेरा गांव निवासी नरेंद्र आकर बहसबाजी करने लगे। उनके कार्य में अनैतिक हस्तक्षेप करते हुए मारपीट शुरू कर दी। बीच बचाव कराने आए अन्य कर्मचारी भी चोटहिल हो गए। अधीक्षक डा. इंदू सिंह राणा ने बताया कि चिकित्सक के साथ मारपीट करना गंभीर बात है। थाने पर तहरीर दी गई है।

आरोपी पर कार्रवाई होनी चाहिए। प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी ने बताया कि डाक्टर पर हमला करने के आरोपित चरेरा गांव निवासी नरेंद्र के विरुद्ध मुकदमा किया गया है। आरोपित को गिरफ्तार कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

कड़ी सुरक्षा में हुई रमजान की अलविदा नमाज

संवाददाता–देवरिया। जिले में रमजान माह के अंतिम शुक्रवार को अलविदा की नमाज अकीदत और शांतिपूर्ण माहौल में अदा की गई। शहर की जामा मस्जिद सहित विभिन्न कस्बों और गांवों की मस्जिदों में बड़ी संख्या में रोजेदारों ने नमाज पढ़कर देश में अमन–चौन, खुशहाली और भाईचारे की दुआ मांगी। प्रशासन ने नमाज को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे और प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा।

शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे से मुस्लिम समाज के लोग नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों में पहुंचने लगे थे। शहर के तहसील रोड स्थित जामा मस्जिद, मालवीय रोड स्थित ईदगाह, बांस देवरिया, अहमद नगर और रामनाथ देवरिया सीसी रोड सहित अन्य मस्जिदों में नमाज अदा की गई। जामा मस्जिद में मौलाना अशफाक अहमद कासमी ने नमाज पढ़ाई, जबकि बांस देवरिया की मस्जिद में मौलाना अहमद रजा मिस्वाही ने नमाज अदा कराई।

भाटपाररानी नगर और आसपास के क्षेत्रों में भी अलविदा की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। यहां जामा मस्जिद में नमाजियों की अधिक भीड़ को देखते हुए दो शिफ्ट में नमाज अदा कराई गई। इसके अलावा दिस्तौली, सोहनपुर, सिकटिया, रामपुर बुजुर्ग, प्रतापपुर, खामपार, सरया, भिंगारी, भोपतपुरा, भवानी छापर, सवरेजी, बड़कागांव, खेमीपुर, महुआबारी, भेड़ापाकड़, मेहरौना, टीकमपार, बंगरा बाजार, पिपरा बघेल, अहिरौली बघेल, रामपुर और अकटही समेत कई गांवों तथा कस्बों की मस्जिदों में भी नमाज अदा की गई।

बरहज नगर और क्षेत्र में भी लोगों ने अलग–अलग मस्जिदों में अलविदा की नमाज अकीदत के साथ पढ़ी। नगर की जिन्नती, राजा और नाका मस्जिद के अलावा कपरवार, पैना, करुअना, भलुअनी, गड़ेर, सोनाड़ी, मगहरा, मदनपुर और देवपार सहित कई स्थानों पर सुबह 11रू30 बजे से दोपहर दो बजे तक अलग–अलग समय पर नमाज अदा कराई गई।

शहर के अबूबकर नगर स्थित मस्जिद की सुरक्षा के लिए कोतवाल राकेश कुमार राय समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। नमाज के बाद लोगों ने जरूरतमंदों को दान दिया और समाज में आपसी सद्भाव बनाए रखने की अपील की। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी पूरे जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी रखी।

कुशीनगर ने राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में 33 पदक जीते

संवाददाता–कुशीनगर। अयोध्या मंडल के डाभा सेमर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल में 9 से 11 मार्च 2026 तक आयोजित हुआ। 36वीं राज्य स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में कुशीनगर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जनपद की टीम ने कुल 33 पदक हासिल किए, जिनमें 25 स्वर्ण पदक शामिल हैं। इस प्रतियोगिता में कुशीनगर के खिलाड़ियों ने 25 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य पदक जीतकर कई स्पर्धाओं में अग्रणी स्थान प्राप्त किया। टीम ने कई खेलों में ओवरऑल चौंपियन का खिताब भी अपने नाम किया, जिससे जनपद का दबदबा कायम रहा। प्रतियोगिता में कुशीनगर की टीमों ने शूटिंग, फुटबॉल, ताइक्वांडो, कुश्ती, जूडो, बॉक्सिंग, तैराकी, हैंडबॉल, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस, बैडमिंटन और कबड्डी जैसी विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग लिया। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में, शूटिंग में आशिया खातून ने स्वर्ण, सुमन ने रजत, स्वीटी शर्मा ने कांस्य और अंशु यादव ने रजत पदक जीता। फुटबॉल बालक वर्ग की टीम विजेता बनी। ताइक्वांडो में विनीता ने स्वर्ण, आनंद प्रजापति ने रजत और रोहित राजभर ने कांस्य पदक हासिल किया। कुश्ती में पुजारी और बादल ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि शिवम गुप्ता ने कांस्य पदक प्राप्त किया। जूडो में शिवम गुप्ता ने एक और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बॉक्सिंग में अमन प्रसाद, दिलखुश, आनंद राय और श्याम कुमार ने स्वर्ण पदक जीते, वहीं सागर और बादल ने रजत पदक हासिल किए। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर गोरखपुर मंडल की सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक शिक्षा) संगीता सिंह और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कुशीनगर डॉ. राम जियावन मौर्य ने खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों को बधाई दी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में टीम की सफलता में खेल नोडल डॉ. प्रभात चंद्र राय, रजनीश कुमार द्विवेदी, जयंत भारती और अन्य सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिला व्यायाम शिक्षक अनिल कुमार मिश्र के नेतृत्व में टीम ने न केवल कुशीनगर बल्कि पूरे मंडल का नाम रोशन किया।

किसानों को बसंतकालीन गन्ना बुवाई की दी गयी जानकारी

संवाददाता–कुशीनगर। रामकोला स्थित गन्ना विकास परिषद् सहकारी गन्ना समिति लिमिटेड लक्ष्मीगंज में शुक्रवार को बसंतकालीन गन्ना बुवाई को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सामूहिक सभा एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें किसानों को आधुनिक बुवाई तकनीकों और नवीन गन्ना प्रजातियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। समिति लक्ष्मीगंज के अध्यक्ष श्री धनंजय गोविंद राव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य किसानों को गन्ने की खेती में नवीनतम पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना था। गोष्ठी में चीनी मिल के केन मैनेजर ने किसानों को मिल द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं से अवगत कराया। वहीं, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक लक्ष्मीगंज ने गन्ने की खेती से अधिक लाभ प्राप्त करने हेतु ट्रेंच विधि से बुवाई, सहफसली खेती, पेड़ी प्रबंधन, ड्रिप सिंचाई और ट्रैश मल्चिंग जैसी आधुनिक तकनीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर संबंधित सर्किल के राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक, चीनी मिल के कर्मी, समिति के डायरेक्टर और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। उपस्थित प्रमुख व्यक्तियों में ग्राम घिनहुवा से डायरेक्टर वीरेंद्र सिंह, राजकांत कुशवाहा, सुरेंद्र सिंहय ग्राम महुअवा से बृजकिशोर राव, उमेश प्रसाद, संजय पांडेय ग्राम चंदरपुर से तेजप्रताप, रामू कुशवाहा, संजय, विनोद, ऋषिकेश, रामश्रयय ग्राम बड़हरा से डायरेक्टर अनिल कुशवाहा, मुन्ना कुशवाहाय ग्राम हरदी छपरा से डायरेक्टर जन्मेजय पांडे, गोपाल जी राव, सतदेव सिंह, ग्राम कुर्मी पट्टी से बलराम गोविंद राव, लहरी सिंह ग्राम रामपुर बगहा से रविंद्र सिंह, जनार्दन यादवय तथा ग्राम हरपुर से समसुल हसन, जयप्रकाश, रघुवंश सहित अन्य सम्मानित कृषक शामिल थे।

गैस एजेंसियों पर एसडीएम का छापा स्टॉक–वितरण रजिस्टर जांचे

संवाददाता–गोंडा। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले चार दिनों से एलपीजी गैस सिलेंडरों के लिए लंबी कतारें देखी जा रही हैं। इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने चारों तहसीलों के उप जिलाधिकारियों (एसडीएम) को गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण करने और स्टॉक रजिस्टर की जांच करने का निर्देश दिया था। डीएम के निर्देश के बाद, आज चारों तहसीलों के एसडीएम ने अलग–अलग गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एजेंसी के स्टॉक रजिस्टर और वितरण रजिस्टर की गहनता से जांच की गई। कई गैस एजेंसियों पर लापरवाही पाए जाने पर अधिकारियों ने उन्हें फटकार लगाई और कार्रवाई की चेतावनी दी। एसडीएम नेहा मिश्रा ने कटरा बाजार स्थित अन्नपूर्णा गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया। वहां सर्वर काम नहीं कर रहा था, जिसके कारण गैस लेने के लिए लोगों की भीड़ जमा थी।

एसडीएम नेहा मिश्रा ने एजेंसी को निर्देश दिया कि सत्यापन के बाद लोगों के घरों तक गैस की होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाए, ताकि एजेंसियों के बाहर भीड़ न लगे। उन्होंने एजेंसी मालिक को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसडीएम ने चेतावनी दी कि यदि ब्लैक मार्केटिंग की कोई सूचना मिली तो तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी और सभी लोगों को गैस उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने भंडारण कक्ष का भी निरीक्षण किया, जहां बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर भरे हुए पाए गए, जिनके तत्काल वितरण के निर्देश दिए गए। एसडीएम मिश्रा ने बताया कि कहीं भी ब्लैक मार्केटिंग नहीं हो रही है और लोगों को गैस उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि सर्वर न चलने के कारण कुछ दिक्कतें आ रही हैं, लेकिन लोगों को ज्यादा परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आज कई गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया गया है और यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

बेटे पर हमले के बाद दे रहे धमकी

संवाददाता–देवरिया। जिले के एकौना थाना क्षेत्र के रमपुरवा गांव निवासी एक व्यक्ति ने अपने बेटे पर हुए हमले के मामले में पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है। पीड़ित का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपी गिरफ्तार नहीं हुए हैं और लगातार धमकी दे रहे हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। रमपुरवा गांव निवासी राजकिशोर पासवान ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उनके पुत्र दिवाकर देव पर 22 फरवरी 2026 को जानलेवा हमला किया गया था। इस संबंध में एकौना थाने में एफआईआर संख्या 0024 दर्ज की गई है। यह मुकदमा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 115 (2), 118 (1), 352, 109 (1) तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 (संशोधन 2015) की धारा 3 (2) (ट) के तहत पंजीकृत किया गया है।

राजकिशोर पासवान का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। इसके चलते आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और उनके परिवार को लगातार धमकी दे रहे हैं। आरोप है कि आरोपी पक्ष जांच अधिकारी से अपनी अच्छी पहचान होने का दावा कर रहा है, जिससे उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न होने की बात कही जा रही है।

दरोगा मिनहाज सिद्दीकी निलंबित, 25 हजार रिश्वत मांगने पर कार्रवाई

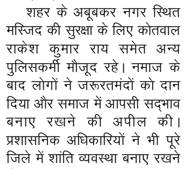

संवाददाता–गोण्डा। रिश्वत मांगने के मामले में दरोगा मिनहाज सिद्दीकी को निलंबित कर दिया गया है। उन पर एक मुकदमे में आरोपियों को लाभ पहुंचाने के लिए 25 हजार रुपए रिश्वत मांगने का आरोप है। एसपी विनीत जायसवाल ने वीडियो सामने आने पर यह कार्रवाई की। मामला मोतीगंज थाने में तैनात उप निरीक्षक मिनहाज सिद्दीकी से जुड़ा है। उन पर छाछपारा मतवल्ली गांव की आरती देवी द्वारा छप्पर में आग लगने के संबंध में दर्ज मुकदमे की विवेचना के दौरान आरोपियों के नाम हटाने के लिए 25 हजार रुपये मांगने का आरोप है। यह रकम शांति देवी से मांगी जा रही थी। मिनहाज सिद्दीकी द्वारा बार–बार पैसे मांगे जाने से परेशान होकर शांति देवी की बेटी ने अपने मोबाइल से एक वीडियो बनाया था। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आरती देवी ने गांव के भारत चौहान, धन प्रकाश, भागेलु और खूंटी के खिलाफ 10 मई 2025 को अपने छप्पर में आग लगाने का मुकदमा दर्ज कराया था, जिसकी जांच मिनहाज सिद्दीकी कर रहे थे। वायरल वीडियो 6 जून 2025 का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में उप निरीक्षक मिनहाज सिद्दीकी महिला से कहते हुए सुनाई दे रहे हैं, मेरे द्वारा जांच की जा रही है, आवश्यकता पड़ने पर आपको 25 से 30 हजार रुपये देना पड़ेगा। इस पर महिला ने अपनी गरीबी का हवाला दिया। दरोगा फिर कहते हैं, हम प्रयास करेंगे कि कम से कम दाम में तुम्हारा काम हो जाएगा। वीडियो में सिद्दीकी यह भी कहते हैं, तुम 25 हजार उठाकर कहीं रख देना। मुझे कसम हो कि मैं तुम्हारा एक भी रुपए लूं, जो अधिकारी को देना है मैं सिर्फ तुमसे वही पैसा मांग रहा हूं। मुझे उससे एक पैसे ज्यादा नहीं चाहिए, मुझे तुम्हारे पैसे का चाय नहीं पीना है।

नेपाल भाग रहा लुटेरा पुलिस मुठभेड़ में घायल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक अपराधी के पैर में गोली लगी है, जबकि उसके साथी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना 12 और 13 मार्च की दरमियानी रात करीब 2रू45 बजे सनई–शोहरतगढ़ मार्ग पर पतसिया के पास हुई। पुलिस ने इनके कब्जे से बिना नंबर प्लेट की एक इनोवा कार, एक अवैध तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। एसओजी प्रभारी मिथिलेश कुमार राय अपनी टीम के साथ कोतवाली नौगढ़ पुलिस के सहयोग से साड़ी तिराहा क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक बिना नंबर प्लेट की इनोवा कार तेज गति से आती दिखाई दी। पुलिस ने उसे रोकने का संकेत दिया, लेकिन चालक गाड़ी रोकने के बजाय तेजी से भागने लगा। भागते समय वाहन डिवाइडर से टकरा गया और फिर शोहरतगढ़ की ओर बढ़ गया। संदिग्ध स्थिति को देखते हुए इसकी सूचना जिला नियंत्रण कक्ष और आसपास की पुलिस टीमों को दी गई।

शोहरतगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह अपनी टीम के साथ आगे से घेराबंदी करने लगे, जबकि जोगिया उदयपुर थानाध्यक्ष अभय सिंह भी अपनी टीम के साथ मौके की ओर रवाना हुए। पीछे से मिथिलेश कुमार राय अपनी एसओजी टीम और कोतवाली नौगढ़ पुलिस के साथ बदमाशों का पीछा करते रहे। कुछ ही दूरी पर सनई–शोहरतगढ़ मार्ग स्थित पतसिया के पास पुलिस ने बदमाशों को घेर लिया। घिरते देख बदमाश इनोवा से उतरकर भागने लगे और पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। एक गोली एसओजी टीम की गाड़ी में लगी, हालांकि पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लग गई।

घायल बदमाश को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने उसके साथी को मौके से ही पकड़ लिया। दोनों आरोपी बिहार के रहने वाले हैं और लूटी गई इस कार को नंबर प्लेट हटाकर नेपाल में तस्करी के लिए ले जाने की तैयारी में थे। पकड़े गए बदमाशों की पहचान अंकित कुमार निवासी भरतपुर थाना महुआ जिला वैशाली (बिहार) और विजय सिंह निवासी आमी थाना अवतारनगर जिला छपरा (बिहार) के रूप में हुई। मुठभेड़ में घायल अंकित कुमार को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि 22 फरवरी 2026 को उन्होंने नौगढ़ रेलवे स्टेशन क्षेत्र से इनोवा कार बुक कराई थी। रास्ते में बिहार के गोपालगंज जिले के थावे थाना क्षेत्र के पास उन्होंने वाहन चालक को नशीला पदार्थ पिला दिया और कार लेकर फरार हो गए। इस मामले में वाहन स्वामी नागेंद्र गुप्ता निवासी शिवपुरी कॉलोनी शास्त्री नगर थाना कोतवाली नौगढ़ की तहरीर पर 22 फरवरी को कोतवाली नौगढ़ में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे इनोवा कार की नंबर प्लेट हटाकर उसे नेपाल ले जाकर बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से बिना नंबर प्लेट की इनोवा कार, 315 बोर का अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं। इस कार्रवाई में एसओजी प्रभारी मिथिलेश कुमार राय, शोहरतगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह, जोगिया उदयपुर थानाध्यक्ष अभय सिंह, उपनिरीक्षक विजयशंकर सिंह, उपनिरीक्षक वीरेंद्र यादव, उपनिरीक्षक संतोष सिंह, हेड कांस्टेबल राजीव शुक्ला, मनोज राय, दिलीप कुमार, आशुतोष दूबे, पुष्पेंद्र गौतम, कांस्टेबल वीरेंद्र तिवारी, सत्येंद्र यादव, छविराज यादव, कृष्णपाल और धर्मनाथ सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने इस मामले में जोगिया उदयपुर थाने में मुठभेड़ और अवैध हथियार से संबंधित धाराओं में नया मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

विवाहिता की मौत, पिता ने विषाक्त पदार्थ खिलाकर हत्या की आशंका जताई, पति हिरासत में

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। आलापुर थाना क्षेत्र के राउतपारा निवासी बनिता पांडेय (30) की विषाक्त पीने से मौत हो गई। टांडा के नारायणपुर निवासी पिता शैलेंद्र कुमार मिश्रा (सेवानिवृत्त शिक्षक) के मुताबिक, उनकी पुत्री बनिता की शादी 17 फरवरी 2016 को राउतपारा निवासी अंकित उर्फ विवेक पांडेय के साथ हुई थी।

बताया कि पति अंकित किसान हैं। ससुर श्रवण कुमार पांडेय गांव के पूर्व प्रधान रह चुके हैं। बनिता ने बृहस्पतिवार दोपहर करीब 1 बजे घर में किसी बात को लेकर विषाक्त पदार्थ पी लिया। कुछ ही देर बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। परिजनों ने उन्हें जिला मुख्यालय स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने शाम करीब 6 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। घटना की जानकारी पुलिस को शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे मिली। पिता शैलेंद्र ने विषाक्त पदार्थ खिलाकर हत्या करने की आशंका जताई है। प्रभारी निरीक्षक रितेश कुमार पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। सीओ प्रदीप सिंह चंदेल ने बताया कि प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस ने मृतका के पति अंकित उर्फ विवेक पांडेय को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मृतका के पिता अस्पताल में बेटी की हालत देखकर टूट गए। उन्होंने बताया कि जब वह अस्पताल पहुंचे तो उनकी पुत्री जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रही थी। जैसे ही वह पुत्री के पास पहुंचे, उसने बड़ी मुश्किल से आंखें खोलीं और धीमी आवाज में केवल पापा३कहा। इसके बाद वह कुछ नहीं बोल सकी। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच की मांग की है। फिलहाल कोई तहरीर नहीं दी है। बनिता के दो छोटे बच्चे हैं। पुत्र अभिनंदन करीब सात वर्ष का और पुत्री आभ्या लगभग पांच वर्ष की है। एक मार्च को ही अभिनंदन का जन्मदिन मनाया गया था। घर में कुछ दिन पहले तक बच्चों की हंसी और खुशी का माहौल था। अब उसी घर में सन्नाटा पसरा है। मां की मौत के बाद दोनों बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल रहा।

गरजा बुलडोजर, सड़क चौड़ीकरण के लिए 57 अवैध निर्माण ध्वस्त

संवाददाता–अंबेडकरनगर। सुगम और सुरक्षित यातायात सड़क चौड़ीकरण के लिए जिला मुख्यालय पर नगरपालिका व लोक निर्माण विभाग ने पुलिस बल की मौजूदगी संयुक्त अभियान चलाया। अतिक्रमण कर कराए गए 57अवैध निर्माण को ध्वस्त करा दिया। पहितीपुर मार्ग पर शहजादपुर से रतनपुर तक सड़क व फुटपाथ पर नासूर बन चुके अतिक्रमण को हटाने के लिए लोनिवि व नपा ने नौ फरवरी को दुकानों और मकानों को चिह्नित लाल निशान लगाकर नोटिस भेजा था। गत 26 फरवरी टीम ने ओवरब्रिज से टांडा रोड पटेल नगर तक डेढ़ 157 दुकानों को चिन्हित कर अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया गया था। व्यापारियों के विरोध और होली के त्यौहार की वजह से अतिक्रमण रोक दिए गया था। शुक्रवार से पुनःअतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू हुआ।

सड़क किनारे से चार से छह मीटर अंदर तक निर्माण को अतिक्रमण के दायरे में लिया जा रहा है। तहसीलदार संतोष कुमार, कोतवाल श्रीनिवास पांडेय, लोनिवि के सहायक अभियंता अजय जायसवाल, अर्बन विशेषज्ञ रवि उपाध्याय, नगरपालिका कर्मी बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। अतिक्रमण के चलते पहितीपुर तक यातायात व्यवस्था प्रतिदिन प्रभावित होती है। अभियान सुबह 10 बजे शुरू हुआ। चार बुलडोजर व पांच ट्रैक्टर–ट्रालियां लेकर टीम सबसे पहले शहजादपुर इलाहाबाद बैंक पहितीपुर मार्ग तिराहा पहुंची। अतिक्रमण हटाने का सिलसिला शुरू हुआ। इंद्रलोक कालोनी, कृष्णा नगर, शाहजहांपुर, रतनपुर तक अतिक्रमण को ध्वस्त कराया गया। कुछ लोगों ने पहले ही स्वयं अतिक्रमण ही हटा लिए।

वहीं, कार्रवाई से दुकानदारों में खलबली मच गई। मशीनों से तथा हाथों से सभी अपना छज्जा तोड़ने और टिनशेड हटाने में जुट गए। कुछ व्यापारियों ने अतिक्रमण खुद से हटाने का भरोसा दिया। इस पर प्रशासनिक टीम आगे बढ़ गई।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के चलते दिन भर शहजादपुर मार्ग डाइवर्ट रही। भिखारीपुर बाईपास से टांडा बांदा हाईवे से दोस्तपुर मार्ग की तरफ मोड़ दिया जा रहा था। मालीपुर रोड की तरफ से आने वाली वाहनों को दोस्तपुर की तरफ मोड़ दिया जा रहा था। नई सड़क से शहजादपुर फवारा तिराहा से सब्जी मंडी तक वाहनों की कतार लगी रही। शहजादपुर नई सड़क से ओवरब्रिज तक दो घंटे जाम लगा रहा। सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग अजय जायसवाल ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के बाद सड़क चौड़ीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया है। विशाल सारस्वत, अधिशासी अधिकार। ने कहा कि अतिक्रमण करने वालों को नोटिस व चेतावनी जारी करने के बाद अभियान चलाया गया। यहां सुगम यातायात देने के लिए मार्ग को चौड़ा कर फुटपाथ बनाया जाएगा।

निर्यात के लिए क्लस्टर बना करें फल–सब्जी की खेती

संवाददाता–गोरखपुर। उत्तर प्रदेश राज्य उद्यानिकी एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन योजना के शुक्रवार को राजकीय उद्यान मोहद्दीपुर में फल–सब्जी उत्पादकों को निर्यात लक्षित दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हो गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी सतीश कुमार सिंह ने किसानों को कलस्टर बना कर फल–सब्जी की जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया। बताया कि ऐसा करने पर 40 फीसदी तक प्रोत्साहन राशि मिलेगी।प्रशिक्षण में 50 की संख्या में कृषि उत्पादकों के समूहों के निदेशक, अध्यक्ष, सदस्य, प्रगतिशील कृषक शामिल हुए। क्लस्टर निर्माण पर 50–100 हेक्टेयर के लिए 10 लाख रुपये, अतिरिक्त पर 06 लाख प्रोत्साहन व 30 फीसदी निर्यात पर पहला वर्ष 40 फीसदी व अगले 04 वर्ष 15 फीसदी इंसेंटिव की जानकारी दी गई। उप निदेशक कृषि व उद्यान ने क्लस्टर में नवीन तकनीक व जैविक विधि अपनाने पर बल दिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में उचित दाम मिलेगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एसके सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र बेलीपार से निर्यात टिप्स साझा किए। जिला गन्ना अधिकारी भी उपस्थित रहे। अधीक्षक पारस नाथ ने आभार जताते हुए किसानों से जैविक उत्पादन कर निर्यात लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण में शामिल 50 प्रगतिशील किसानों व एफपीओ सदस्यों को बताया कि मानक गुणवत्ता वाले उत्पादन से निर्यात कर अच्छी आय कमाई जा सकती है।

स्कूली बच्चों से भरी टैक्सी पलटी तीन बच्चे और चालक घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के मेंहदावल में शुक्रवार को चिरैयाडांड़ के पास स्कूली बच्चों को ले जा रही एक टैक्सी पलट गई। इस हादसे में पीएम श्री विद्यालय जमोहरा के तीन बच्चे और टैक्सी चालक घायल हो गए। ये बच्चे जनपदीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, चिरैयाडांड़ में टैक्सी एक दोपहिया वाहन को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में घायल हुए बच्चों और चालक को चोटें आई हैं, जबकि टैक्सी में सवार अन्य सभी बच्चे पूरी तरह सुरक्षित बताए गए हैं। पीएम श्री विद्यालय जमोहरा के प्रभारी प्रधानाध्यापक संजय गांधी ने बताया कि जनपद स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता के लिए बच्चों को एक टैक्सी से भेजा गया था, जिसके साथ विद्यालय के शिक्षक अनुपम भी मौजूद थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही बीईओ महेंद्रनाथ त्रिपाठी के साथ वे तुरंत मौके पर पहुंचे और घायल बच्चों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। हादसे की जानकारी मिलने पर बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अमित कुमार सिंह और बीईओ ज्ञानचंद्र मिश्र भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।

लीगल एड–टीम ने जिला कारागार में बंदियों की समस्याएं सुनीं

संवाददाता–संतकबीर नगर। जनपद न्यायाधीश रणधीर सिंह के निर्देश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व न्यायिक अधिकारी सुनील कुमार सिंह की पहल पर शुक्रवार को लीगल एड डिफेंस काउंसिल की टीम जिला कारागार पहुंची। टीम ने विभिन्न बंदियों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण का आश्वासन दिया। इस दौरान बलिया कोर्ट से छेड़छाड़ और दुष्कर्म की सजा काट रहे सिकंदरपुर निवासी बादल शेख ने अपनी समस्या बताई। उन्होंने कहा कि जुर्माना अदा न कर पाने के कारण उनकी रिहाई नहीं हो पा रही है। कोतवाली खलीलाबाद के बरई टोला निवासी सुधीर चौरसिया ने बताया कि वह चोरी के आरोप में जिला कारागार में बंद हैं। उनकी जमानत हो चुकी है, लेकिन जमानतदार के अभाव में वह रिहा नहीं हो पा रहे हैं।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 35 /2025
न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर
1–सम्पाती विधवा स्व0 रामलौट 2. अमरनाथ उर्फ राजकुमार वयस्क 3. ओम प्रकाश वयस्क पुत्रगण स्व0 रामलौट 4. सरोज वयस्क विधवा स्व0 सतीश चन्द्र 5. संध्या 6. श्रद्धा 7. नैनसी अवयस्क संरक्षिका माता सरोज पत्नी स्व0 सतीश चन्द्र निवासीगण रमवापुर पोस्ट हर्रैया नानकार तहसील बांसी जनपद सिद्धार्थनगर

–प्रार्थी/आवेदक
बनाम
ईस्टेट
विपक्षी

तारीख पेशी– 25.03.2026
प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
अपने पत्नी /पति मृतक रामलौटन पुत्र सुक्खू को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 03 के 25 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 158/2025
न्यायालय–सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर
1–सेवकदास उर्फ दारा सिंह उम्र करीब 57 वर्ष चेला तिलकदास उर्फ तिलकराम दास निवासी ग्राम रेहरा तप्पा भानपुर परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जनपद सिद्धार्थनगर

–प्रार्थी/आवेदक
बनाम
ईस्टेट
विपक्षी

तारीख पेशी– 18.04.2026
प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
अपने गुरू/चेला मृतक तिलकदास को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 04 के 18 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2026 के 03 के दिवस 12 को दिनांकित।
द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी कमल कुमार भट्ट पुत्र श्री दूधनाथ भट्ट ग्राम– पूरेतिल्नक पोस्ट– अमोढा जनपद बस्ती (उ.प्र.) की निवासी है। मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद हाई स्कूल वर्ष **2021** अनुक्रमांक **212673164** का प्रमाणपत्र– सह –अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है प्रार्थिनी वरूज फातिमा पुत्री इनामुल हक ग्राम– व पोस्ट– हटवा बाजार– जिला बस्ती की निवासिनी है। प्रार्थिनी वरूज फातिमा पुत्री इनामुल हक(WARUZ FATIMA) है, परन्तु आधार कार्ड में गलत नाम उरूज फातिमा(UROOJ FATIMA) दर्ज हो गया जो सही नही है। इसे वरूज फातिमा (WARUZ FATIMA) कराया जाय।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 487/2025
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) स्थान–सिद्धार्थनगर जिला– सिद्धार्थनगर

साजिदा
बनाम
जुगराफिया आदि

1. जुगराफिया पत्नी अकरम चौधरी साकिन ग्राम सेमरा तप्पा हीर तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर 2. सहाबुल्लाह पुत्र फत्ते मोहम्मद साकिन ग्राम सिरसिया तप्पा कोट परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 30–03–2026
प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **30–03–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 12–03–2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायाधीश

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
प्रकीर्ण सिविल अपील सं0–90/2025
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

कलामुद्दीन आदि
बनाम
मसीउद्दीन उर्फ बब्लू आदि

1. मसीउद्दीन उर्फ बब्लू उम्र लगभग 34 साल पुत्र विस्मिल्लाह 2. जमीरूद्दीन उम्र लगभग 57 साल पुत्र मो0 यासीन 3. सलाहुद्दीन उम्र लगभग 64 साल पुत्र मो0 यासीन निवासीगण ग्राम चढ़ौआ तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

–रेस्पान्डेन्टस/प्रतिवादीगण

तारीख पेशी 02–04–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 02 महीना 04 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– सिविल जज (जू0 डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मिस0 वाद सं0– 448/2025

श्रीमती तजरून
बनाम
मुख्तार अहमद आदि

1. मुख्तार अहमद उम्र लगभग 54 वर्ष 2. रसीद अहमद उम्र लगभग 52 वर्ष 3. शब्बीर अहमद उम्र लगभग 44 वर्ष 4. जहीर अहमद उम्र लगभग 39 वर्ष पुत्रगण मुमताज अली 5. श्रीमती जमीला उम्र लगभग 74 वर्ष पत्नी मुमताज अली निवासीगण मौजा घुइसापुर तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील बस्ती सदर पोस्ट लगनहट पिनकोड 272302 जिला बस्ती

तारीख पेशी 06–04–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 259/2023
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 द्वितीय स्थान–नौगढ़ जिला– सिद्धार्थनगर

प्रेमचन्द्र
बनाम
सन्तराम आदि

1. सन्तराम उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्र प्यारे 2. जगदीश उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र अवधराम साकिनान नियॉव तप्पा बंजरहा परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 26–03–2026
प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **26–03–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– सिविल जज (सी0 डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0– 712/2025

अरविन्द कुमार आदि
बनाम
श्याम सुन्दर आदि

1. श्याम सुन्दर 2. रणवीर 3. शिव कुमार 4. बलवीर पुत्रगण स्व0 भानु प्रताप 5. मनोरमा पत्नी स्व0 भानु प्रताप निवासीगण मौजा सगरा तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–03–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
व्यहार वाद संख्या 402/2024
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 द्वितीय स्थान–नौगढ़ जिला– सिद्धार्थनगर

रामबुझारत आदि
बनाम
राधेश्याम आदि

1. राधेश्याम उम्र करीब 48 साल 2. घनश्याम उम्र करीब 45 साल पुत्रगण ठाकुर प्रसाद सभी निवासीगण ग्राम खैरी उर्फ झुंगहवा टोला तिरछहवा तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष
3. सिंगारमती उम्र करीब 68 साल पत्नी जयकरन निवासी ग्राम खैरी उर्फ झुंगहवा टोला तिरछहवा तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादिनी द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 24–04–2026
प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **24–04–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायाधीश

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com